# सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, पुणे

## [Savitribai Phule Pune University, Pune]

**अभ्यासक्रम**

**मानव विज्ञान शाखेतील प्रमाणपत्र / पदवी, वर्ष-१ (सत्र- १ व २)**

**विषय – मराठी (DSC)**

(शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ पासून)

**[Level 4.5, UG- Certificate in Humanities / UG Degree, Year-I]**

**(w.e.f. academic year 2024-25)**

**DSC : Marathi**

**आणि**

**प्रमाणपत्र / पदवी, वर्ष-१ (सत्र- १ व २)**

**विषय : खुले वैकल्पिक- मराठी**

(शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ पासून)

**[Level 4.5, UG- Certificate / UG Degree, Year-I]**

**(w.e.f. academic year 2024-25)**

**Open Elective: Marathi**

**(Only for the students of the faculties other than Humanities i.e. Commerce, Science etc.)**

# पदवी (UG)- मराठी

(पुनर्रचित अभ्यासक्रम - शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ पासून)

**१. अभ्यासक्रमाचे शीर्षक [TITLE OF THE PROGRAMME] : पदवी (UG)- मराठी**

**२. प्रास्ताविक [PREAMBLE OF THE SYLLABUS] :** सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाच्या मराठी विषयातील पदवीसाठी (UG-Marathi) राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाला अनुसरून अभ्यासक्रम तयार करत असताना विद्यार्थीकेंद्रितता, आंतरविद्याशाखीयता, रोजगाराभिमुखता, कौशल्याधिष्ठितता ही आधारभूत तत्त्वे स्वीकारली आहेत. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाची उद्दिष्टे भाषा व साहित्याच्या अभ्यासक्रमांतून प्रत्यक्षात आणत असतानाच विद्यार्थ्यांच्या जीवनविषयक जाणिवा समृद्ध होण्यासाठी तसेच कौशल्यविकासासाठी भाषा, साहित्य व कला ही माध्यमे अधिक परिणामकारकतेने समजून घेणे आवश्यक झाले आहे. विद्यार्थ्यांमध्ये साहित्यिकक्षमता, भाषिकक्षमता विकसित करणे व जीवनाच्या आकलनासाठी त्यांना सिद्ध करणे ही काळाची गरज बनली आहे. या बरोबरच विद्यार्थ्यांना मराठी भाषा आणि साहित्याचे सखोल ज्ञान व्हावे, त्यांच्यामध्ये संशोधनाची तसेच आंतरविद्याशाखीय अभ्यास करण्याची वृत्ती वृद्धिंगत व्हावी असे विविध हेतू समोर ठेवून सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाच्या मराठी विषयातील पदवीचा (UG-Marathi) अभ्यासक्रम तयार केला आहे. या अभ्यासक्रमाची पुनर्रचना पुढील क्रमाने करण्यात आलेली आहे.

१. **First Year UG 2024-25 (Level 4.5)**

२. **Second Year UG 2025-26 (Level 5.0)**

३. **Third Year UG 2026-27 (Level 5.5)**

४. **Fourth Year UG 2027-28 (Level 6.0)**

राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाला अनुसरून मराठी विषयातील पदवीचा (UG-Marathi) पुनर्रचित अभ्यासक्रम तीन/चार वर्षांचा आणि सहा/आठ सत्रांमध्ये विभागलेला आहे. महाराष्ट्र शासनाच्या उच्च शिक्षण विभागाने दिलेल्या मार्गदर्शक सूचनांप्रमाणे प्रथम वर्षात ४४ श्रेयांकांचा, तीन वर्षांच्या पदवीचा एकूण १३२ श्रेयांकाचा; तर चार वर्षांच्या पदवीचा एकूण १७६ श्रेयांकाचा अभ्यासक्रम असणार आहे. या अभ्यासक्रमात विद्यार्थ्यांना मुख्य विषयाबरोबरच इतर विषय निवडीची संधी दिली गेली आहे. शिवाय सैद्धांतिक अभ्यासक्रम व प्रात्यक्षिके यांना विशेष महत्त्व देण्यात आले आहे.

**३. अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे [PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)] :**

**मराठी विषयातील पदवीच्या अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे खालील प्रमाणे निश्चित करण्यात आलेली आहेत.**

| | |
|---|---|
| PEO-1 | मराठी भाषा, साहित्य आणि त्यांच्या इतिहासाचे ज्ञान देणे. विद्यार्थ्यांच्या वाङ्मयीन आणि जीवनविषयक जाणिवा समृद्ध करणे. |
| PEO- 2 | मराठीतील साहित्यविचाराचे ज्ञान देणे. |
| PEO- 3 | मराठी समीक्षा व्यवहाराचे ज्ञान देणे. |
| PEO- 4 | विद्यार्थ्यांमध्ये प्रात्यक्षिकांच्या माध्यमातून भाषिक कौशल्ये विकासाची जाणीव-जागृती घडवून आणणे आणि त्यांच्यात मराठीतील भाषिक कौशल्यांचा विकास करणे. |
| PEO- 5 | विद्यार्थ्यांमध्ये प्रात्यक्षिकांच्या माध्यमातून मराठी भाषेतील रोजगाराची कौशल्ये आणि क्षमता विकसित करणे. |
| PEO- 6 | मराठीतील विविध साहित्यप्रकारांचा परिचय करून देणे. |
| PEO- 7 | साहित्यनिर्मितीच्या प्रेरणा व प्रवृत्ती लक्षात घेऊन साहित्याचे आकलन करून घेणे. |
| PEO- 8 | साहित्यकृतींच्या चिकित्सक अभ्यासाची प्रवृत्ती वृद्धिंगत करणे. |
| PEO- 9 | भारतीय ज्ञानपरंपरेची विद्यार्थ्यांना ओळख करून देणे. |
| PEO- 10 | विद्यार्थ्याचा सर्वांगीण व्यक्तिमत्त्वविकास साधून त्याला सुसंस्कारित नागरिक म्हणून सिद्ध होण्यास मदत करणे. |

## ४. अभ्यासक्रमाची अध्ययननिष्पत्ती :

**[PROGRAMME OUTCOMES(POs) AND PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES(PSOs)] :**

**हा अभ्यासक्रम पूर्ण केल्यानंतर विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल.**

| Sr. No. | Graduate Attributes | POs- PSOs |
|---|---|---|
| PO- 1 | Disciplinary Knowledge | मराठी भाषा आणि साहित्यातील पायाभूत सैद्धान्तिक घटकांचे आकलन होईल. |
| PO- 2 | Communication Skills | विविध दृष्टिकोनातून स्पष्टतापूर्ण वाचन आणि अभिव्यक्ती करता येईल. |
| PO- 3 | Critical Thinking | चिकित्सक विचार करण्याचे कौशल्ये आत्मसात होतील. |
| PO- 4 | Problem Solving | भाषिक समस्यांचा शोध घेऊन योग्य ते उपाय शोधण्याचा प्रयत्न करू शकेल. |
| PO- 5 | Analytical reasoning | प्राप्त माहितीचे वस्तुनिष्ठपणे विश्लेषण आणि कारणमीमांसा करता येईल. |
| PO- 6 | Research-related skills | संशोधनवृत्ती निर्माण होईल. |
| PO- 7 | Cooperation/ Team work | सामूहिक ध्येयप्राप्तीसाठी एकत्रित येऊन काम करणे. |
| PO- 8 | Scientific reasoning | तार्किकदृष्ट्या प्राप्त माहितीचे परीक्षण करेल. |
| PO- 9 | Reflective thinking | वैचारिक प्रगल्भता विकसित होईल. |
| PO- 10 | Self-directed learning | वैयक्तिकरित्या वेगवेगळ्या कृती स्वतंत्रपणे करता येतील. |
| PO- 11 | Information/ Digital literacy | सहजपणे दृकश्राव्य माध्यमांची हाताळणी करता येईल. |
| PO- 12 | Multicultural Competence | विद्यार्थ्यांमध्ये सामाजिक व सांस्कृतिक जाण विकसित होऊन सामाजिक सामंजस्य निर्माण होईल. |
| PO- 13 | Moral & Ethical Values | सर्वांचा आदर करणे आणि विश्वबंधुत्वाची भावना विकसित होण्यास मदत होईल. |
| PO- 14 | Leadership Readiness | अनेकविध क्षेत्रात नेतृत्व करण्याचे कौशल्ये आत्मसात होतील. |
| PO- 15 | Life-long Learning | सतत अध्ययन व संशोधन करण्याची शाश्वत आवड निर्माण होईल. |
| PSO- 1 | Domen Knowledge | साहित्यविषयक विविध संकल्पना आणि साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र यांचे आकलन होईल. |
| PSO- 2 | Professional Skills | भाषिक कौशल्ये आत्मसात होतील आणि तंत्रज्ञानाचा भाषिक व्यवहारात कौशल्यपूर्ण वापर करता येईल. |
| PSO- 3 | Research | मराठी भाषा आणि साहित्यविषयक संशोधनवृत्ती निर्माण होईल. |
| PSO- 4 | Social Responsibility | व्यक्तिमत्त्व विकासास चालना मिळून जबाबदार नागरिक म्हणून जडणघडण होण्यास मदत होईल. |

## ५. अभ्यासक्रमाची संरचना :

**COURSE STRUCTURE**

**UG- Certificate in Humanities [UG Degree, Year-I]**

**(w.e.f. academic year 2024-25)**

## DSC-I: Marathi

| Level/ Year/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam [Marks] | Ext. Exam [Marks] | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L- 4.5 Yr.- 1st Sem- I | Major Core | MAR 101 MJ | साहित्याचे स्वरूप (निवेदनात्म साहित्यप्रकार) | 2 (T) | Theory | 15 | 35 | 50 |
| | | MAR 102 MJP | साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण | 2 (P) | Practical | 15 | 35 | 50 |

| Level/ Year/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam [Marks] | Ext. Exam [Marks] | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L- 4.5 Yr.- 1st Sem- II | Major Core | MAR 151 MJ | साहित्याचे स्वरूप (काव्यात्म साहित्यप्रकार) | 2 (T) | Theory | 15 | 35 | 50 |
| | | MAR 152 MJP | साहित्यप्रकारांचे अवलोकन / लेखन | 2 (P) | Practical | 15 | 35 | 50 |

## Open Elective: Marathi

**(Only for the students of the faculties other than Humanities i.e. Commerce, Science etc.)**

| Level/ Year/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam [Marks] | Ext. Exam [Marks] | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L- 4.5 Yr.- 1st Sem- I | GE/ OE | OE-H-101-MAR | व्यक्तिमत्त्व विकास आणि भाषा | 2(T) | Theory | 15 | 35 | 50 |

| Level/ Year/ Sem. | Type | Course Code | Course Title | Credits | Theory/ Practical/ Oral | Int. Exam [Marks] | Ext. Exam [Marks] | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| L- 4.5 Yr.- 1st Sem- II | GE/ OE | OEP-H-151-MAR | व्यावहारिक मराठी | 2(P) | Practical | 15 | 35 | 50 |

**EVALUATION PATTERN**

**Degree Program in Humanities - Marathi: Year-I, Sem-I & II (w.e.f. academic year 2024-25)**

| **मूल्यमापनाचा आराखडा - सैद्धांतिक अभ्यासक्रम (T) श्रेयांक- २** | | |
|---|---|---|
| **विद्यापीठ सत्र परीक्षा (एकूण गुण : ३५) वेळ : २ तास** | | |
| **प्रश्न क्रमांक** | **प्रश्न निवडीबाबत सूचना** | **गुण** |
| प्रश्न १ ला | **दोन** पैकी **एका** प्रश्नाचे उत्तर लिहा. (शब्द मर्यादा- ३०० शब्द) | १५ |
| प्रश्न २ रा | **दोन** पैकी **एका** प्रश्नाचे उत्तर लिहा. (शब्द मर्यादा- ३०० शब्द) | १५ |
| प्रश्न ३ रा | **दोन** पैकी **एक** टीप लिहा. (शब्द मर्यादा- १०० शब्द ) | ५ |
| **अंतर्गत मूल्यमापन (एकूण गुण : १५) [प्रत्येक श्रेयांकासाठी ३०% चे अंतर्गत मूल्यमापन करावे.]** | | |
| लेखी परीक्षा/ मौखिक परीक्षा/ प्रकल्पलेखन/ क्षेत्रीय अभ्यास(माहितीच्या संकलानासह)/ क्षेत्रभेट-अहवाल/ घटक चाचणी/समूह चर्चा/ ग्रंथालयीन कार्य/सादरीकरण/ प्रश्नमंजुषा/गृहपाठ/ विस्तार कार्य/संशोधन प्रकल्प/खुले पुस्तक परीक्षा **(वरीलपैकी पर्याय निवडावा.)** | | १५ |

| **मूल्यमापनाचा आराखडा - प्रात्यक्षिक अभ्यासक्रम (P) श्रेयांक- २** | | |
|---|---|---|
| **विद्यापीठ प्रात्यक्षिक परीक्षा** | | |
| प्रात्यक्षिक परीक्षा (प्रात्यक्षिक विषयास अनुसरून) | वेळ- २ तास | **३५ गुण** |
| **अंतर्गत प्रात्यक्षिक परीक्षा [प्रत्येक श्रेयांकासाठी ३०% चे अंतर्गत मूल्यमापन करावे.]** | | |
| मौखिक परीक्षा/ प्रकल्पलेखन/ क्षेत्रीय अभ्यास(माहितीच्या संकलानासह)/ क्षेत्रभेट-अहवाल/घटक चाचणी/समूह चर्चा/ ग्रंथालयीन कार्य/सादरीकरण/ प्रश्नमंजुषा/ गृहपाठ/विस्तार कार्य/संशोधन प्रकल्प/खुले पुस्तक परीक्षा/ निबंधलेखन / पत्रलेखन / अर्जलेखन **(अंतर्गत मूल्यमापनासाठी वरीलपैकी पर्याय निवडावा.)** | | **१५ गुण** |

# अभ्यासक्रम

## मानव विज्ञान शाखेतील प्रमाणपत्र / पदवी, वर्ष-१ (सत्र- १ व २)

## विषय – मराठी (DSC)

(शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ पासून)

**[Level 4.5, UG- Certificate in Humanities / UG Degree, Year-I]**

**(w.e.f. academic year 2024-25)**

## DSC : Marathi

| U.G. मराठी – प्रथम वर्ष (सत्र-१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| **Course Type** | **Major Core** | **Credits- 2 (Theory)** | **Weeks-15 Hours- 30** |
| **MAR 101 MJ** | **साहित्याचे स्वरूप ( निवेदनात्म साहित्यप्रकार )**<br>**अभ्यासपुस्तक : 'मन में है विश्वास' (लेखक- विश्वास नांगरे पाटील)** | **Int. Marks 15** | **Ext. Marks 35** |

**अभ्यासपत्रिकेविषयी :**

सदर अभ्यासपत्रिकेतून साहित्याचे स्वरूप आणि साहित्यप्रकारांची संकल्पना जाणून घेता येईल. तसेच कथा, कादंबरी, चरित्र-आत्मचरित्र आदी साहित्यप्रकारचे स्वरूप, आत्मकथन निर्मितीच्या प्रेरणा, या साहित्यप्रकारची वैशिष्ट्ये आणि मराठी आत्मकथनांची वाटचाल समजून घेण्यास मदत होईल. त्याचबरोबर अभ्यासासाठी नेमलेल्या साहित्यकृतीचा आस्वाद घेता येईल.

**अभ्यासपत्रिकेची उद्दिष्टे :**

१. साहित्याचे स्वरूप आणि साहित्यप्रकारांची (निवेदनात्म) संकल्पना जाणून घेणे.
२. कथा, कादंबरी आणि चरित्र-आत्मचरित्र आदी निवेदनात्म साहित्यप्रकारांचा स्वरूपपरिचय आणि मराठी आत्मकथनांची वाटचाल समजून घेणे.
३. नेमलेल्या अभ्यासपुस्तकातील आशयाचा आस्वाद घेणे आणि विश्लेषण करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| १ | १.१ साहित्याचे स्वरूप<br>१.२ साहित्याचे प्रकार (निवेदनात्म)<br>१.३ कथा, कादंबरी आणि चरित्र-आत्मचरित्र आदी निवेदनात्म साहित्यप्रकारांचा स्वरूपपरिचय<br>१.४ मराठी आत्मकथन : स्वरूप, प्रेरणा, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल | १ | १५ |
| २ | **अभ्यासपुस्तक : 'मन में है विश्वास'** (लेखक- विश्वास नांगरे पाटील) | १ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (COs) :**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल,

| Cognitive Ability | Course Outcomes | Teaching Learning Method |
|---|---|---|
| **Co-1 Remember** | साहित्याचे स्वरूप आणि साहित्यप्रकारांची संकल्पना ज्ञान होईल. | व्याख्यान |
| **Co-2 Understanding** | आत्मकथन या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, प्रेरणा, वैशिष्ट्ये आणि मराठी आत्मकथनांची वाटचाल यांचे ज्ञान विद्यार्थी अवगत करतील. | व्याख्यान,<br>स्वयं-अध्ययन |
| **Co-3 Applying** | आत्मकथनांच्या अभ्यासातून साहित्याचा आस्वाद घेण्याची प्रेरणा मिळेल. | आत्मकथन वाचन |
| **Co-4 Analysing** | आत्मकथन या साहित्यप्रकाराच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांची आकलन आणि विश्लेषणक्षमता विकसित होईल. | आशय विश्लेषण |
| **Co-5 Evaluating** | आत्मकथन वाचन,आस्वादन,विश्लेषण,वर्गीकरण,मूल्यनिर्णय या प्रक्रियेतून विद्यार्थ्यांची साहित्यविषयक अभ्यासाची समज विकसित होईल. | आत्मकथन रसग्रहण |
| **Co-6 Creating** | आत्मकथनाच्या अभ्यासातून विद्यार्थ्यांना अनुभवमांडणीची कला अवगत होईल. त्याचप्रमाणे अनुभव विश्लेषणाची प्रेरणा मिळेल. | स्व-अनुभवांचे सादरीकरण |

**MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING**

**[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]**

| Graduate Attributes | Disciplinary Knowledge | Communication Skills | Critical Thinking | Problem Solving | Analytical reasoning | Research-related skills | Cooperation/Team work | Scientific reasoning | Reflective thinking | Self-directed learning | Information/Digital literacy | Multicultural Competence | Moral & Ethical Values | Leadership Readiness | Life-long Learning | Domen Knowledge | Professional Skills | Research | Social Responsibility |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | PO-1 | PO-2 | PO-3 | PO-4 | PO-5 | PO-6 | PO-7 | PO-8 | PO-9 | PO-10 | PO-11 | PO-12 | PO-13 | PO-14 | PO-15 | PSO-1 | PSO-2 | PSO-3 | PSO-4 |
| CO-1 | 3 | | 3 | | 3 | | | | | 2 | | | | | 2 | 3 | | | |
| CO-2 | 3 | | 2 | | 2 | | | | | 2 | | 2 | 2 | | 3 | 3 | | | |
| CO-3 | 2 | | 2 | | | | | | | 3 | | | | | 3 | 2 | | | |
| CO-4 | 2 | | 3 | | 2 | | | | 2 | 3 | | | 2 | | 3 | 2 | | | |
| CO-5 | 2 | | 3 | | 3 | | | | 2 | 3 | | | 2 | | 2 | 2 | | | |
| CO-6 | 3 | | 2 | | 2 | | | | 2 | 2 | | | 2 | | 2 | 3 | | | |
| **Wgt Avg** | 2.5 | | 2.5 | | 2.4 | | | | 2 | 2.5 | | 2 | 2 | | 2.5 | 2.5 | | | |

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. चरित्र – आत्मचरित्र – सदा कऱ्हाडे, लोकवाङ्मयगृह प्रकाशन मुंबई, १९७६

२. साहित्य आणि सामाजिक संदर्भ - डॉ. अंजली सोमण, प्रतिमा प्रकाशन पुणे, १९८९

३. आत्मचरित्र मीमांसा - आनंद यादव, मेहता पब्लिशिंग हाउस, पुणे,१९९८

४. चरित्र-आत्मचरित्र : तंत्र आणि इतिहास - अ. म. जोशी, स्नेहवर्धन प्रकाशन पुणे, १९९९

५.२० व्या शतकातील मराठी आत्मचरित्र - उषा हस्तक, स्नेहवर्धन प्रकाशन, २००६

६. वाङ्मयप्रकार संकल्पना व स्वरूप - संपादक, आनंद वास्कर, अन्वय प्रकाशन पुणे, २००८

७. चरित्र – आत्मचरित्र – अ. म. जोशी, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे , २०१५

८. मराठी वाङ्मय प्रकार : स्वरूप, संकल्पना व वाटचाल, संपा. डॉ. द. के. गंधारे, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर, २०१७

९. आत्मचरित्र मराठी विश्वकोश, खंड २ मधील रा. ग. जाधव यांचे टिपण

१०. म. वा. इ. खंड ५ भाग २ संपादक रा. श्री. जोग, म.सा.प पुणे

११. आत्मसंवाद- संपादक डॉ. आर. के. देवरे, डॉ. रवींद्र ठाकूर, डॉ. रवींद्र कडू

१२. मराठी वाड्मयाची वाटचाल : स्वरूप व संकल्पना, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर.

१३. चरित्र – आत्मचरित्र – जान्हवी संत, मोघे, कोल्हापूर

१४. प्रदक्षिणा खंड १,२ कॉन्टीनेंटल प्रकाशन, पुणे

१५. धरणकळा -ल. म. कडू, राजहंस प्रकाशन, पुणे

१६. बिकट वाट परी- माधव राजगुरू, अनुबंध प्रकाशन, पुणे

१७. खडू फळा आणि मी.... डॉ श्रीकांत पाटील, ज्ञानसंवर्धन प्रकाशन, कोल्हापूर

१८. निळी पहाट – रा. ग. जाधव

१९. प्राचीन मराठीतील चरित्रलेखन – वसंत बोरगावकर

| U.G. मराठी – प्रथम वर्ष (सत्र-१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| **Course Type** | **Major Core** | **Credits- 2 (Practical)** | **Weeks-15 Hours- 60** |
| **MAR 102 MJP** | **साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण** | **Int. Marks 15** | **Ext. Marks 35** |

**अभ्यासपत्रिकेविषयी :**

सदर अभ्यासपत्रिकेतून साहित्यप्रकारांची आवाहनक्षमता समजून घेता येईल. तसेच साहित्यप्रकारांचे वाचन आणि काव्यवाचन, कथाकथन, कादंबरीचे अभिवाचन, चरित्रकथन, आत्मनिवेदन इ. साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण करता येईल.

**अभ्यासपत्रिकेची उद्दिष्टे :**

१. साहित्यप्रकारांची आवाहनक्षमता समजून घेणे.

२. साहित्यप्रकारांचे वाचन करण्याचे कौशल्ये आत्मसात करणे.

३. काव्यवाचन, कथाकथन, कादंबरीचे अभिवाचन, चरित्रकथन, आत्मनिवेदन इ. साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण करण्याचे कौशल्य आत्मसात करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| १ | १.१ साहित्यप्रकारांची आवाहनक्षमता<br>१.२ साहित्यप्रकारांची शैलीविशिष्टता आणि वाचन : परस्पर संबंध | १ | ३० |
| २ | साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण : काव्यवाचन, कथाकथन, कादंबरीचे अभिवाचन, चरित्रकथन, आत्मनिवेदन इ. | १ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (COs) :**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल,

| Cognitive Ability | Course Outcomes | Teaching Learning Method |
|---|---|---|
| **Co-1 Remember** | साहित्यप्रकारांची आवाहनक्षमता ज्ञात होईल. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-2 Understanding** | साहित्यप्रकारांचे वाचन करण्याचे कौशल्य विद्यार्थी अवगत करतील. | व्याख्यान, साहित्यप्रकारांचे वाचन |
| **Co-3 Applying** | साहित्यप्रकारांचे कौशल्यपूर्ण वाचन करू शकतील. | सादरीकरण |
| **Co-4 Analysing** | साहित्यप्रकारांचे वाचन आणि सादरीकरण करण्यासंदर्भात विद्यार्थ्यांची आकलन आणि विश्लेषणक्षमता विकसित होईल. | आशय विश्लेषण |
| **Co-5 Evaluating** | काव्यवाचन, कथाकथन, कादंबरीचे अभिवाचन, चरित्रकथन, आत्मनिवेदन इत्यादींचे सादरीकरण करताना साहित्यप्रकारनिहाय मूल्यमापन करता येईल. | सादरीकरणाचा सराव |
| **Co-6 Creating** | काव्यवाचन, कथाकथन, कादंबरीचे अभिवाचन, चरित्रकथन, आत्मनिवेदन इत्यादींचे सादरीकरण करण्याचे कौशल्य अवगत होईल त्यानुसार विद्यार्थी साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण करू शकतील. | साहित्यप्रकारांचे सादरीकरण |

## MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

**[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]**

| Graduate Attributes | Disciplinary Knowledge | Communication Skills | Critical Thinking | Problem Solving | Analytical reasoning | Research-related skills | Cooperation/Team work | Scientific reasoning | Reflective thinking | Self-directed learning | Information/Digital literacy | Multicultural Competence | Moral & Ethical Values | Leadership Readiness | Life-long Learning | Domen Knowledge | Professional Skills | Research | Social Responsibility |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **PO-1** | **PO-2** | **PO-3** | **PO-4** | **PO-5** | **PO-6** | **PO-7** | **PO-8** | **PO-9** | **PO-10** | **PO-11** | **PO-12** | **PO-13** | **PO-14** | **PO-15** | **PSO-1** | **PSO-2** | **PSO-3** | **PSO-4** |
| CO-1 | **3** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-2 | **2** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | **3** | | |
| CO-3 | **2** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | **3** | | |
| CO-4 | **3** | | **3** | | **3** | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-5 | **3** | | **3** | | **3** | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-6 | **2** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | | | | **2** |
| **Wgt. Avg.** | **2.5** | | **3** | | **3** | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | **3** | | **2** |

| U.G. मराठी – प्रथम वर्ष (सत्र-२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| **Course Type** | **Major Core** | **Credits- 2 (Theory)** | **Weeks-15 Hours- 30** |
| **MAR 151 MJ** | **साहित्याचे स्वरूप (काव्यात्म साहित्यप्रकार)**<br>**अभ्यासपुस्तक : 'गीतमाला'** (संपादित गीतसंग्रह) | **Int. Marks 15** | **Ext. Marks 35** |

**अभ्यासपत्रिकेविषयी :**

सदर अभ्यासपत्रिकेतून काव्यात्म आणि नाट्यात्म साहित्यप्रकारांची संकल्पना आणि स्वरूप जाणून घेता येईल. तसेच 'गीत' या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, 'गीत' निर्मितीच्या प्रेरणा, 'गीत' या साहित्यप्रकाराची वैशिष्ट्ये समजून घेण्यास मदत होईल. त्याचबरोबर **'गीतमाला'** या संपादित गीतसंग्रहाच्या अभ्यासातून निवडक गीतांचा आस्वाद घेता येईल.

**अभ्यासपत्रिकेची उद्दिष्टे :**

१. काव्यात्म साहित्यप्रकाराचे स्वरूप आणि संकल्पना जाणून घेणे.
२. 'गीत' या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, प्रेरणा, वैशिष्ट्ये आणि मराठी कविता-गीतांची वाटचाल समजून घेणे.
३. नेमलेल्या अभ्यासपुस्तकातील निवडक गीतांचे आकलन, आस्वाद आणि विश्लेषण करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| १ | १.१ साहित्याचे स्वरूप<br>१.२ साहित्याचे प्रकार (काव्यात्म)<br>१.३ कविता, गीत या काव्यात्म साहित्यप्रकारांचा स्वरूप परिचय<br>१.४ मराठी गीत : स्वरूप, प्रेरणा, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल | १ | १५ |
| २ | **अभ्यासपुस्तक : 'गीतमाला'** (संपादित गीतसंग्रह) | १ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (COs) :**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल,

| Cognitive Ability | Course Outcomes | Teaching Learning Method |
|---|---|---|
| **Co-1 Remember** | काव्यात्म साहित्यप्रकाराचे स्वरूप आणि साहित्यप्रकाराची संकल्पना यांचा परिचय होईल. | व्याख्यान |
| **Co-2 Understanding** | 'गीत' या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, प्रेरणा, वैशिष्ट्ये आणि मराठी गीतांची वाटचाल याचे ज्ञान विद्यार्थी अवगत करतील. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-3 Applying** | गीतांच्या अभ्यासातून साहित्याचा आस्वाद घेण्याची प्रेरणा मिळेल. | काव्यवाचन, गीतगायन |
| **Co-4 Analysing** | 'गीत' या साहित्यप्रकाराच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांची आकलन आणि विश्लेषणक्षमता विकसित होईल. | सादरीकरण |
| **Co-5 Evaluating** | गीतांचे वाचन, गायन, आस्वाद, विश्लेषण, वर्गीकरण, मूल्यनिर्णय या प्रक्रियेतून विद्यार्थ्यांची काव्यविषयक अभ्यासाची समज विकसित होईल. | गीतांचे रसग्रहण |
| **Co-6 Creating** | गीतांच्या अभ्यासातून विद्यार्थ्यांना काव्यनिर्मितीची आणि विश्लेषणाची प्रेरणा मिळेल. स्व-रचित कविता-गीतांची निर्मिती करता येईल. | कविता-गीतांचे सादरीकरण |

**MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING**

**[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]**

| Graduate Attributes | Disciplinary Knowledge | Communication Skills | Critical Thinking | Problem Solving | Analytical reasoning | Research-related skills | Cooperation/Team work | Scientific reasoning | Reflective thinking | Self-directed learning | Information/Digital literacy | Multicultural Competence | Moral & Ethical Values | Leadership Readiness | Life-long Learning | Domen Knowledge | Professional Skills | Research | Social Responsibility |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | PO-1 | PO-2 | PO-3 | PO-4 | PO-5 | PO-6 | PO-7 | PO-8 | PO-9 | PO-10 | PO-11 | PO-12 | PO-13 | PO-14 | PO-15 | PSO-1 | PSO-2 | PSO-3 | PSO-4 |
| CO-1 | 3 | | 3 | | 3 | | | | | 2 | | | | | 2 | 3 | | | |
| CO-2 | 3 | | 2 | | 2 | | | | | 2 | | 2 | 2 | | 3 | 3 | | | |
| CO-3 | 2 | | 2 | | | | | | | 3 | | | | | 3 | 2 | | | |
| CO-4 | 2 | | 3 | | 2 | | | | 2 | 3 | | | 2 | | 3 | 2 | | | |
| CO-5 | 2 | | 3 | | 3 | | | | 2 | 3 | | | 2 | | 2 | 2 | | | |
| CO-6 | 3 | | 2 | | 2 | | | | 2 | 2 | | | 2 | | 2 | 3 | | | |
| **Wgt Avg** | **2.5** | | **2.5** | | **2.4** | | | | **2** | **2.5** | | **2** | **2** | | **2.5** | **2.5** | | | |

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. गीतरचना स्वरूप आणि विकास, डॉ.कल्याण इनामदार, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे २००६

२. कवितेतून गाण्याकडे, ना.धों.महानोर, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, २०१७

३. महानोरांची गीतरचना : सौंदर्य आणि संरचना , तुषार चांदवडकर, अथर्व प्रकाशन, जळगाव,२०१९

४. वृत्तबद्ध कविता : कला आणि शास्त्र, वर्षा बेंडीगेरी- कुलकर्णी, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे, प्रथम आवृत्ती २०२२

५. बकुळगंध, संपादक - राजन लाखे, ज्ञानगंगा प्रकाशन, प्रथम आवृत्ती, पुणे, २०२२

६. कविता आणि प्रतिमा, सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन, मुंबई.

७. परंपरा आणि नवता, गो. वि. करंदीकर, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.

८. मराठी भावसंगीत कोश, खंड-१ आणि २, संपा. रविमुकुल, अनुबंध प्रकाशन, धनकवडी, पुणे

९. विद्रोही कविता, संपादक, केशव मेश्राम, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

१०. साहित्य आणि अस्तित्वभान, दि. पु. चित्रे, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर

११. टीकास्वयंवर, भालचंद्र नेमाडे, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद.

१२. दलित कविता व दलित साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र, म. सु. पाटील, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे

१३. काव्यार्थ चिंतन, जी. एस. शिवरुद्रप्पा, साहित्य अकादमी

१४. कवितेचा शोध, वसंत पाटणकर, मौज प्रकाशन, मुंबई

१५. वाङ्मयप्रकार संकल्पना व स्वरूप, संपादक- आनंद वास्कर

१६. कविता संदर्भ आणि दृष्टिकोन, आशुतोष पाटील, अक्षर वाङ्मय प्रकाशन, पुणे

१७. मराठी वाङ्मयाची वाटचाल : स्वरूप व संकल्पना, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर.

१८. नव जग, नवी कविता, विश्राम गुप्ते, संस्कृती प्रकाशन, पुणे

१९. कवितेचा रूपशोध, म. सु. पाटील, शब्दालय प्रकाशन, पुणे

२०. महानोरांची गीतरचना : सौंदर्य आणि संरचना – प्रा. डॉ. तुषार चांदवडकर, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव

| U.G. मराठी – प्रथम वर्ष (सत्र-२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| **Course Type** | **Major Core** | **Credits- 2 (Practical)** | **Weeks-15 Hours- 60** |
| **MAR 152 MJP** | **साहित्यप्रकारांचे लेखन / अवलोकन** | **Int. Marks 15** | **Ext. Marks 35** |

**अभ्यासपत्रिकेविषयी :**

सदर अभ्यासपत्रिकेतून साहित्य आणि सर्जन, साहित्यलेखनाची कौशल्ये समजून घेता येतील. तसेच कथा, कविता, एकांकिका, गीत इ. साहित्यप्रकारांचे लेखन आणि कथा, कादंबरी, नाटक, कवितासंग्रह आदी साहित्यप्रकारातील पुस्तकाचे अवलोकनपर लेखन करता येईल.

**अभ्यासपत्रिकेची उद्दिष्टे :**

१. साहित्य आणि सर्जन, साहित्यलेखनाची कौशल्ये समजून घेणे.
२. कथा, कविता, एकांकिका, गीत इ. साहित्यप्रकारांचे लेखन करण्याचे कौशल्ये आत्मसात करणे.
३. कथा, कादंबरी, नाटक, कविता आदी साहित्यप्रकारातील पुस्तकाचे अवलोकनपर लेखन करण्याचे कौशल्ये आत्मसात करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| १ | १.१ साहित्य आणि सर्जन : स्वरूपचर्चा<br>१.२ साहित्यलेखनाची कौशल्ये | १ | ३० |
| २ | २.१ कथा, कविता, एकांकिका, गीत इ. साहित्यप्रकारांचे लेखन<br>२.२ कथा, कादंबरी, नाटक, कवितासंग्रह आदी साहित्यप्रकारातील पुस्तकाचे अवलोकनपर लेखन | १ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (COs) :**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल,

| Cognitive Ability | Course Outcomes | Teaching Learning Method |
|---|---|---|
| **Co-1 Remember** | साहित्य आणि सर्जन यांचे स्वरूप आणि साहित्यलेखनाची कौशल्ये ज्ञात होतील. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-2 Understanding** | साहित्यप्रकारांचे लेखन करण्याच्या कौशल्यांचे आकलन होईल. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-3 Applying** | साहित्यप्रकारांच्या रूपबंधांची वैशिष्ट्ये सांगू शकतील. | स्वयं-अध्ययन, गटचर्चा |
| **Co-4 Analysing** | साहित्यप्रकारांचे सर्जनशील आणि अवलोकनपर लेखन करण्यासंदर्भात विद्यार्थ्यांची आकलनक्षमता आणि विश्लेषणक्षमता विकसित होईल. | कृतियुक्त अध्ययन |
| **Co-5 Evaluating** | साहित्यप्रकारांचे सर्जनशील आणि अवलोकनपर लेखन करताना साहित्यप्रकारनिहाय रूपबंधाचे मूल्यमापन करता येईल. | कृतियुक्त अध्ययन |
| **Co-6 Creating** | विद्यार्थी साहित्यप्रकारांचे सर्जनशील आणि अवलोकनपर लेखन करू शकतील. | कृतिसत्र |

## MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

**[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]**

| Graduate Attributes | Disciplinary Knowledge | Communication Skills | Critical Thinking | Problem Solving | Analytical reasoning | Research-related skills | Cooperation/Team work | Scientific reasoning | Reflective thinking | Self-directed learning | Information/Digital literacy | Multicultural Competence | Moral & Ethical Values | Leadership Readiness | Life-long Learning | Domen Knowledge | Professional Skills | Research | Social Responsibility |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **PO-1** | **PO-2** | **PO-3** | **PO-4** | **PO-5** | **PO-6** | **PO-7** | **PO-8** | **PO-9** | **PO-10** | **PO-11** | **PO-12** | **PO-13** | **PO-14** | **PO-15** | **PSO-1** | **PSO-2** | **PSO-3** | **PSO-4** |
| CO-1 | **3** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-2 | **2** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | **3** | | |
| CO-3 | **2** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-4 | **3** | | | | **3** | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-5 | **3** | | **3** | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | |
| CO-6 | **2** | | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | | **3** | | **2** |
| **Wgt. Avg.** | **2.5** | | **3** | | **3** | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | **3** | | **2** |

**अभ्यासक्रम**

**प्रमाणपत्र / पदवी, वर्ष-१ (सत्र- १ व २)**

**विषय : खुले वैकल्पिक- मराठी**

(शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ पासून)

**[Level 4.5, UG- Certificate / UG Degree, Year-I]**

**(w.e.f. academic year 2024-25)**

## Open Elective: Marathi

**(Only for the students of the faculties other than Humanities i.e. Commerce, Science etc.)**

| U.G. मराठी – प्रथम वर्ष (सत्र-१) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| **Course Type** | **General Elective / Open Elective [GE/OE]** | **Credits- 2 (Theory)** | **Weeks-15 Hours- 30** |
| **OE-H-101-MAR** | **व्यक्तिमत्त्व विकास आणि भाषा** | **Int. Marks 15** | **Ext. Marks 35** |

**अभ्यासपत्रिकेविषयी :**

सदर अभ्यासपत्रिकेतून व्यक्तिमत्त्वविकासातील भाषेचे स्थान समजून घेण्यास मदत होईल. भाषा संवाद साधण्याचे एक उत्तम माध्यम आहे तसेच विचार प्रक्रियेला चालना देऊन व्यक्तिमत्त्व घडवण्यामध्ये भाषा अत्यंत महत्त्वाचा घटक आहे. म्हणूनच व्यक्तिमत्त्व विकासाला आकार देण्यासाठी भाषा अतिशय महत्त्वाची असते याविषयीचा समज विकसित होण्यास मदत होईल.

**अभ्यासपत्रिकेची उद्दिष्टे:**

१. व्यक्तिमत्त्व संकल्पना, तिचे स्वरूप व व्यक्तिमत्त्व विकासाचे जीवनातील स्थान व महत्त्व पटवून देणे.
२. व्यक्तीमत्त्व विकासासाठी आवश्यक घटकांचा शोध घेणे.
३. व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेचे स्थान व महत्त्व समजून देणे.

**अभ्यासक्रम:**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| १ | १.१ व्यक्तिमत्त्व संकल्पना व स्वरूप<br>१.२ व्यक्तिमत्त्व विकासाचे जीवनातील स्थान आणि महत्त्व<br>१.३ व्यक्तिमत्त्वावर प्रभाव टाकणारे घटक | १ | १५ |
| २ | **व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेचे स्थान**<br>२.१ भाषा म्हणजे काय ?<br>२.२ व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेचे स्थान व महत्त्व<br>२.३ भाषा आणि व्यक्तिमत्त्व यांचा सहसंबंध | १ | १५ |

**अभ्यासपत्रिकेचीअध्ययननिष्पत्ती (COs):**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल,

| Cognitive Ability | Course Outcomes | Teaching Learning Method |
|---|---|---|
| **Co-1 Remember** | व्यक्तिमत्त्व संकल्पना व तिचे स्वरूप यांचे ज्ञान अवगत होईल. | व्याख्यान |
| **Co-2 Understanding** | व्यक्तिमत्त्व विकासाचे जीवनातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करता येईल. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-3 Applying** | जीवनव्यवहारात भाषिक कौशल्यांचा प्रभावी वापर करता येईल. | स्वयं-अध्ययन |
| **Co-4 Analysing** | व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेच्या उपयोजनाचे विश्लेषण करता येईल. | व्याख्यान, सराव |
| **Co-5 Evaluating** | व्यक्तिमत्त्व विकासातील भाषेच्या उपयोजनाचे मूल्यमापन करता येईल | व्याख्यान, सराव |
| **Co-6 Creating** | व्यक्तिमत्त्वाचा विकास साधण्यास विद्यार्थी प्रवृत्त होतील. | पूरक कृतींचे उपयोजन |

## MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

**[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]**

| Graduate Attributes | Disciplinary Knowledge | Communication Skills | Critical Thinking | Problem Solving | Analytical reasoning | Research-related skills | Cooperation/Team work | Scientific reasoning | Reflective thinking | Self-directed learning | Information/Digital literacy | Multicultural Competence | Moral & Ethical Values | Leadership Readiness | Life-long Learning | Domen Knowledge | Professional Skills | Research | Social Responsibility |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **PO-1** | **PO-2** | **PO-3** | **PO-4** | **PO-5** | **PO-6** | **PO-7** | **PO-8** | **PO-9** | **PO-10** | **PO-11** | **PO-12** | **PO-13** | **PO-14** | **PO-15** | **PSO-1** | **PSO-2** | **PSO-3** | **PSO-4** |
| CO-1 | **3** | | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | | | |
| CO-2 | **3** | | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | | | **2** |
| CO-3 | **2** | **3** | | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **3** | | | **2** |
| CO-4 | | | | | **3** | | | | | **2** | | | | | **2** | **2** | | | |
| CO-5 | | | **3** | | | | | | | **2** | | | | | **2** | **2** | | | |
| CO-6 | **2** | **3** | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **2** | | | **2** |
| **Wgt. Avg.** | **2.5** | **3** | **3** | | **3** | | | | | **2.5** | | | | | **2.5** | **2.5** | | | **2** |

### संदर्भ ग्रंथ:


१. मराठी साहित्य : प्रेरणा आणि स्वरूप, संपादक डॉ. गो.मा. पवार, डॉ. म.द. हातकणंगलेकर

२. मराठी भाषेची संवाद कौशल्ये (पुस्तक क्र. १ ते ८ ) य.च.म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

३. व्यक्तिमत्त्व विकास, य.च.म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

४. वैखरी, भाषा आणि भाषा व्यवहार, डॉ. अशोक केळकर

५. व्यासपीठ- डॉ. महादेव वाळुंज, अक्षरमानव प्रकाशन, पुणे

६. व्यक्तिमत्त्व विकासासाठी संभाषण व लेखन कौशल्ये- डॉ. पृथ्वीराज तौर, डॉ. शैलेंद्र लेंडे, डॉ. वंदना महाजन, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव

७. व्यक्तिमत्त्व विकास- प्रा. विनय पाटील, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव

८. मराठी भाषिक कौशल्ये विकास- डॉ. पृथ्वीराज तौर, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव

९. लेखन कौशल्ये- मुद्रितशोधन आणि सर्जनशील लेखन, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव

१०. उपयोजित मराठी लेखन व संवादकौशल्याचा परिचय- सत्यजित साळवे, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव

११. मुद्रित माध्यमांसाठी लेखन कौशल्य, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

१२. व्यक्तिमत्त्व विकास आणि भाषिक कौशल्ये - प्रा. डॉ. तुषार चांदवडकर, कुसुमाग्रज प्रकाशन, नाशिक

१३. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

१४. व्यावहारिक उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमांची कार्यशैली- संपादक - डॉ.संदीप सांगळे, डायमंड पब्लिकेशन्स, पुणे, प्रथम आवृत्ती २००९

१५. आधुनिक भारतीय भाषा - गीतांजली चिने, हरेश शेळके, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगाव, २०२०

| U.G. मराठी – प्रथम वर्ष (सत्र-२) अभ्यासक्रम [Level 4.5] | | | |
|---|---|---|---|
| **Course Type** | **General Elective / Open Elective [GE/OE]** | **Credits- 2 (Practical)** | **Weeks-15 Hours- 60** |
| **OEP-H-151-MAR** | **व्यावहारिक मराठी** | **Int. Marks 15** | **Ext. Marks 35** |

**अभ्यासपत्रिकेविषयी :**

मराठीच्या व्यवहारक्षेत्राची व्याप्ती वाढत असून या अभ्यासपत्रिकेतून विद्यार्थ्यांना विविध क्षेत्रातील भाषाव्यवहाराचे क्षेत्रनिहाय स्वरूप व त्याची आवश्यकता समजावून देता येईल. आंतरविद्याशाखीय, रोजगाराभिमुख आणि विद्यार्थीकेंद्री असे या अभ्यासपत्रिकेचे स्वरूप आहे. विशेषतः विविध प्रकारचे अर्ज लेखन, पत्रलेखन यातून मराठी भाषेचा व्यवहारस्तरावर वापर करता येऊन समाजजीवनात वावरण्याचा आत्मविश्वास वाढेल. विचार प्रकटीकरण व भाषा आकलनाच्या क्षमतांचा विकास होईल. तसेच निबंधलेखनाच्या सखोल अभ्यासातून विविध स्पर्धापरीक्षा व संशोधनकार्य यासाठी आवश्यक असलेल्या भाषिकक्षमतांचा विकास होईल तसेच उपरोक्त लेखनप्रकारांच्या उपयोजनसरावामुळे विद्यार्थ्यांची व्यवसायाभिमुखता वाढीस लागेल.

**अभ्यासपत्रिकेची उद्दिष्टे :**

१. व्यावहारिक मराठीचे स्वरूप व आवश्यकता स्पष्ट करणे.
२. मराठीच्या व्यवहार क्षेत्रांची व्याप्ती स्पष्ट करणे.
३. व्यावहारिक पातळीवर भाषावापराचे लेखनकौशल्य वृद्धिंगत करणे.
४. निबंध लेखनाद्वारे विचार मांडणीचे कौशल्य विकसित करणे.
५. मराठीतून अर्जलेखन व पत्रलेखन करण्याची क्षमता विकसित करणे.

**अभ्यासक्रम :**

| घटक | तपशील | श्रेयांक | घड्याळी तास |
|---|---|---|---|
| १ | १.१ व्यावहारिक मराठी : स्वरूप, व्याप्ती व आवश्यकता.<br>१.२ निबंधलेखन :<br>अ) निबंधलेखनाचे स्वरूप, हेतू, निबंधलेखन तंत्रे, पद्धती व फायदे<br>ब) निबंध प्रकार : वैचारिक निबंध, वर्णनात्मक निबंध, व्यक्तिचित्रणपर निबंध, आत्मनिवेदनपर निबंध, कल्पनाप्रधान निबंध, ललित निबंध, विज्ञानविषयक निबंध, वाणिज्यविषयक निबंध | १ | ३० |
| २ | २.१ पत्रलेखन : स्वरूप, प्रयोजन, पद्धती व प्रकार<br>पत्रलेखन प्रकार :<br>अ) अनौपचारिक किंवा खाजगी पत्रव्यवहार-कौटुंबिक नात्यांमधील पत्रलेखन, अभिनंदनपर पत्रलेखन, अभिप्रायार्थ पत्रलेखन इ.<br>ब) औपचारिक पत्रव्यवहार - प्रशासनिक पत्रलेखन,कार्यालयीन कामकाजासंदर्भात पत्रलेखन, व्यावसायिक पत्रलेखन, इ-मेल इ.<br>२.२ अर्जलेखन : स्वरूप, प्रयोजन, पद्धती व प्रकार<br>अर्जलेखन प्रकार : विनंती अर्ज, तक्रार अर्ज, स्व-परिचय पत्र व नोकरीसाठी अर्ज, माहितीच्या अधिकारातील अर्ज, संगणकीय अर्जलेखन इ. | १ | ३० |

**अभ्यासपत्रिकेची अध्ययन निष्पत्ती (COs) :**

या अभ्यासपत्रिकेच्या अध्ययनातून विद्यार्थ्यांमध्ये पुढील क्षमतांचा विकास होईल,

| Cognitive Ability | Course Outcomes | Teaching Learning Method |
|---|---|---|
| **Co-1 Remember** | मराठीच्या विविध व्यवहारक्षेत्रांचा परिचय होईल. | व्याख्यान |
| **Co-2 Understanding** | निबंध लेखन, अर्जलेखन व पत्रलेखन यांच्या स्वरूपाचे आकलन होईल. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-3 Applying** | निबंध लेखन, अर्जलेखन व पत्रलेखनाचे समाज व्यवहारात उपयोजन करता येईल. | व्याख्यान, स्वयं-अध्ययन |
| **Co-4 Analysing** | व्यवहार भाषेच्या वेगळेपणाचे विश्लेषण करता येईल. | प्रात्यक्षिक |
| **Co-5 Evaluating** | व्यावहारिक गरजेनुसार भाषाबदल करता येईल. | स्व-अध्ययन ,सराव |
| **Co-6 Creating** | व्यावहारिक गरजांसाठी आवश्यक असणाऱ्या लेखनशैलीचा वापर करून कौशल्यपूर्ण लेखन करता येईल. | जीवन व्यवहारात उपयोजन |

**MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING**

**[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]**

| **Graduate Attributes** | **Disciplinary Knowledge** | **Communication Skills** | **Critical Thinking** | **Problem Solving** | **Analytical reasoning** | **Research-related skills** | **Cooperation/Team work** | **Scientific reasoning** | **Reflective thinking** | **Self-directed learning** | **Information/Digital literacy** | **Multicultural Competence** | **Moral & Ethical Values** | **Leadership Readiness** | **Life-long Learning** | **Domen Knowledge** | **Professional Skills** | **Research** | **Social Responsibility** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | **PO-1** | **PO-2** | **PO-3** | **PO-4** | **PO-5** | **PO-6** | **PO-7** | **PO-8** | **PO-9** | **PO-10** | **PO-11** | **PO-12** | **PO-13** | **PO-14** | **PO-15** | **PSO-1** | **PSO-2** | **PSO-3** | **PSO-4** |
| CO-1 | **3** | | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | | | **2** |
| CO-2 | **3** | **2** | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | **3** | | |
| CO-3 | **2** | **3** | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | **3** | | **2** |
| CO-4 | **2** | | | | **3** | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | **3** | | |
| CO-5 | **2** | | **3** | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | **3** | | |
| CO-6 | **3** | | | | | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | **3** | | **2** |
| **Wgt. Avg.** | **2.5** | **2.5** | **3** | | **3** | | | | | **3** | | | | | **3** | **3** | **3** | | **2** |

**संदर्भ ग्रंथ :**


१. व्यावहारिक मराठी, डॉ.सयाजीराव मोकाशी, प्रा.रंजना नेमाडे, शेतकरी साहित्य परिषद, पुणे, प्रथम आवृत्ती – २३ फेब्रुवारी २००२

२. व्यावहारिक मराठी ,डॉ. कल्याण काळे, डॉ.दत्तात्रेय पुंडे ,निराली प्रकाशन ,पुणे, पुनर्मुद्रण - ऑगस्ट २०१७

३. निबंधलेखन : संकल्पना स्वरूप व प्रकार – सुधाकर शेलार, अक्षरवाङ्मय प्रकाशन, पुणे २०२२
४. व्यावहारिक मराठी,पुणे विद्यापीठ प्रकाशन ,पुणे
५. व्यावहारिक उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमे,संपा . डॉ.संदीप सांगळे, डायमंड प्रकाशन, पुणे
६. व्यावहारिक मराठी ,डॉ.लीला गोविलकर, डॉ.जयश्री पाटणकर ,स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
७. उपयोजित मराठी ,डॉ.संदीप माळी, अक्षरवेध प्रकाशन, पुणे
८. व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी , डॉ.मनोहर रोकडे, स्नेहवर्धन प्रकाशन ,पुणे
९. निबंध : शास्त्र व कला , डॉ.प्र,न.जोशी, स्नेहवर्धन प्रकाशन,पुणे.
१०. उपयोजित मराठी, डॉ.केतकी मोडक, प्रा.सुजाता शेणई,संतोष शेणई,पद्मगंधा प्रकाशन ,पुणे
११. वाङ् मयीन  निबंधलेखन-स्वरूप आणि साधने, प्रा.रा.ग.जाधव ,कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन ,पुणे
१२. भाषा ,साहित्य आणि कौशल्य विकास, डॉ.संदीप माळी,प्रशांत पब्लिकेशन्स, जळगाव
१३. कार्यालयीन कौशल्ये (उपयोजित मराठी ), डॉ.अक्षय घोरपडे ,अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव
१४. व्यावहारिक मराठी , संपा.डॉ.स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
१५. लेखन कौशल्ये : निबंध आणि ग्रंथ परीक्षण – प्रा. डॉ. तुषार चांदवडकर, अथर्व पब्लिकेशन्स, जळगाव